**प्रश्न– "वैश्वीकरण ने महिलाओं को एक तरफ तो सशक्त किया है लेकिन दूसरी तरफ उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।" इस कथन का परीक्षण कीजिए।**

**( 250 शब्द )**

**Globalization on one hand has empowered women but on the other hand has negatively influenced the various aspects of their life." Evaluate this statement.**

**(250 Words)**

## मॉडल उत्तर

**उत्तर:–** वैश्वीकरण का अर्थ विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं, विभिन्न समाज व संस्कृतियों में परस्पर अन्त: निर्भरता का बढ़ना, के रूप में लिया जाता है। आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया में भारत ने वैश्वीकरण के लिए जिस रास्ते को चुना उसका भारतीय समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा जहाँ  महिलाओं की सामाजिक प्रस्थिति निम्न रही हैं। अपनी निम्न सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक प्रस्थिति के कारण महिलाएं विभिन्न समस्याओं से ग्रसित रही हैं। इसमें पर्दा प्रथा, कम आयु में विवाह की समस्या, दहेज की समस्या, घरेलू हिंसा आदि प्रमुख समस्याऐं रही हैं।

**वैश्वीकरण का महिलाओं पर प्रभाव:–**

**सकारात्मक प्रभाव:–**

- वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप एक तरफ जहाँ गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का प्रसार हुआ तो दूसरी तरफ महिलाओं में जागरूकता आयी, जिससे महिलाओं का शैक्षणिक उत्थान हुआ एवं प्रतिष्ठित रोजगार की प्राप्ति हुई, जिससे इनका आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण हुआ।
- वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप भारत में FDI के अंतर्प्रवाह में वृद्धि हुई, जिससे विभिन्न प्रकार के उद्योगों एवं सेवा क्षेत्र के विकास में तीव्रता आई। फलत: योग्यता के आधार पर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई।
- 1990 के बाद महिलाओं में एक शक्तिशाली मध्यवर्ग का उदय हुआ, जो न सिर्फ आर्थिक रूप से स्वावलंबी है बल्कि अपने अधिकारों को लेकर जागरूक और जुझारू भी है, जो असमानता एवं अन्याय के विरूद्ध लड़ रहा है।
- महिलाओं ने सोशल मीडिया आदि का सहारा लिया और नारी विषयक मुद्दों को पूरी शक्ति से सामाजिक जीवन में लाने का प्रयास किया, जिससे उस पर बहस प्रारंभ हो गई। भारतीय महिलाओं ने पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण किया। परिणामस्वरूप इनकी जीवन शैली में बदलाव आया। जैसे-पश्चिमी वेश-भूषा आदि।

**नकारात्मक प्रभावः-**

- वैश्वीकरण के कारण उनमें व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक विघटन,- जैसे-विवाह-विच्छेद, यौन-उत्पीड़न व नशाखोरी जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं।
- वैश्वीकरण ने उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रसार किया, रोजगार के नए अवसरों में वृद्धि भी की, जिसने महिलाओं की महत्वाकांक्षा में वृद्धि की। फलतः संबंधों में तनाव, पारिवारिक कलह एवं तलाक की दर में वृद्धि हुई है।
- महिला सौंदर्य का वस्तुकरण और स्थूल मानकीकरण प्रारंभ हो गया है, जिससे बहुसंख्यक भारतीय महिलाएं हीनभावना मनोग्रन्थि से गुजरती रही हैं। वैश्वीकरण के प्रभावस्वरूप पर्यटन उद्योग का तेजी से विकास हुआ है। जिससे Sex-tourism जैसी समस्याओं का उद्भव हुआ है एवं महिलाओं के शोषण में वृद्धि हुई है। जैसे- मी टू अभियान
- वैश्वीकरण ने संचार साधनों का विकास किया है एवं उपभोक्तावादी पश्चिमी संस्कृति का प्रसार किया है। जिसको अपनाकर महिलाओं की स्वतंत्रता एवं स्वच्छता में वृद्धि हुई है एवं अधिक उम्र में विवाह, प्रेम विवाह, लिव-इन-रिलेशनशिप, अविवाहित रहना, यौन संबंधों में खुलापन, कॉलगर्ल आदि प्रवृत्तियों का प्रसार हुआ है।

**अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।**